



दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन (भाग-6)

काम पर नीतिवचन

रविवार, 03 मार्च 2026 - उपदेश की रूपरेखा

अब तक हमने देखा:

नीतिवचन में बुद्धि के बारे में
नीतिवचन में संबंधों के बारे में
नीतिवचन में परिवार के बारे में
नीतिवचन में पवित्रता और ईमानदारी के बारे में
नीतिवचन में अनुशासन और आत्म-संयम के बारे में

आज: काम पर नीतिवचन

आज हम उन विभिन्न क्षेत्रों पर विचार करते हैं जिनमें नीतिवचन हमें काम और कार्यस्थल के विषय में शिक्षा देता है।

चींटी से कार्यस्थल के नौ पाठ

नीतिवचन 6:6-11 (HINOVBSI)

- 6 हे आलसी, चींटी के पास जा; उसके कामों पर ध्यान दे और बुद्धिमान बन।
- 7 उसके न तो कोई सरदार, न अधिकारी, न प्रभु होता है,
- 8 तौभी वह ग्रीष्म ऋतु में अपना आहार तैयार करती है, और कटनी के समय अपना भोजन इकट्ठा करती है।
- 9 हे आलसी, तू कब तक लेटा रहेगा? तू अपनी नींद से कब उठेगा?
- 10 थोड़ी नींद, थोड़ी झपकी, थोड़ी देर हाथ पर हाथ रखकर लेटे रहना—
- 11 इसी से तेरी दरिद्रता डाकू के समान और तेरी घटी हथियारबंद मनुष्य के समान आ पड़ेगी।

यद्यपि चींटी छोटी और महत्वहीन प्रतीत होती है, फिर भी वह ऐसे सशक्त कार्य-सिद्धांतों का आदर्श प्रस्तुत करती है जो आज के कर्मचारी या नेता के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। आइए नौ अंतर्दृष्टियों पर विचार करें:

1. परिश्रम (कड़ी मेहनत)

चींटी निरंतर सक्रिय और उद्योगी रहती है। उसे लगातार निगरानी की आवश्यकता नहीं होती।

कार्यस्थल अनुप्रयोग: परिश्रमी कर्मचारी विश्वास और दीर्घकालिक विश्वसनीयता बनाता है। टालमटोल से बचें।



2. आत्म-प्रेरणा (पहल)

“जिसका कोई सरदार, अधिकारी या प्रभु नहीं...”

कार्यस्थल अनुप्रयोग: पहल करें। निर्देश की प्रतीक्षा करने के बजाय समाधान खोजें।

3. दूरदृष्टि (भविष्य-केंद्रित सोच)

“ग्रीष्म में आहार तैयार करती है...”

कार्यस्थल अनुप्रयोग: योजना बनाएं। जोखिमों और अवसरों का पूर्वानुमान करें।

4. तैयारी

“कटनी में भोजन इकट्ठा करती है।”

कार्यस्थल अनुप्रयोग: आवश्यक समय से पहले कौशल विकसित करें। तैयारी संकट को कम करती है।

5. निरंतरता

चींटियाँ रुक-रुककर नहीं बल्कि निरंतर काम करती हैं।

कार्यस्थल अनुप्रयोग: समय पर परिणाम दें। निरंतरता अक्सर प्रतिभा से अधिक प्रभावशाली होती है।

6. समय की समझ

चींटी ऋतुओं को पहचानती है।

कार्यस्थल अनुप्रयोग: अवसर की खिड़कियों को पहचानें। सही समय पर कार्य करें।

7. आराम पर अनुशासन

“थोड़ी नींद...”

कार्यस्थल अनुप्रयोग: जिम्मेदारी को सहजता पर चुनें। अनुशासन उत्पादकता बनाए रखता है।



8. जिम्मेदारी

चींटी अपने समुदाय के लिए कार्य करती है।

कार्यस्थल अनुप्रयोग: समझें कि आपका कार्य टीम को कैसे प्रभावित करता है।

9. छोटी बातों में बुद्धिमानी

छोटी होकर भी बुद्धिमान।

कार्यस्थल अनुप्रयोग: पद नहीं, चरित्र और निरंतरता प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

परिश्रम बनाम आलस्य

नीतिवचन 10:4 (HINOVBSI)

जो काम करने में ढीला है वह निर्धन हो जाता है,
परन्तु परिश्रमी के हाथ धनवान बनाते हैं।

नीतिवचन 12:24 (HINOVBSI)

परिश्रमी का हाथ प्रभुता करेगा,
परन्तु आलसी बेगारी में पड़ेगा।

नीतिवचन 12:27 (HINOVBSI)

आलसी अपना शिकार भी नहीं भूनता,
परन्तु परिश्रम मनुष्य की बहुमूल्य संपत्ति है।

आलसी आरंभ करता है पर समाप्त नहीं करता। परिश्रमी प्राप्त संसाधनों का पूरा लाभ उठाता है।



योजना और समयबद्धता

नीतिवचन 21:5 (HINOVBSI)

परिश्रमी की युक्तियाँ निश्चय ही लाभ पहुँचाती हैं,
परन्तु जो उतावली करता है वह अवश्य ही घटी में पड़ता है।

प्रतिफल

नीतिवचन 10:16 (HINOVBSI)

धर्मी का परिश्रम जीवन का कारण होता है,
परन्तु दुष्ट की कमाई पाप का कारण होती है।

नीतिवचन 14:23 (HINOVBSI)

हर परिश्रम से लाभ होता है,
परन्तु केवल बातों ही बातों से निर्धनता आती है।

हमारे तरीके महत्वपूर्ण हैं

नीतिवचन 13:11 (HINOVBSI)

अन्याय से प्राप्त धन घटता जाता है,
परन्तु जो परिश्रम से बटोरता है उसकी बढ़ती होती है।



श्रेष्ठता

नीतिवचन 22:29 (HINOVBSI)

क्या तू ने किसी ऐसे मनुष्य को देखा है जो अपने काम में निपुण हो?
वह राजाओं के सामने खड़ा होगा; वह साधारण लोगों के सामने नहीं खड़ा होगा।

संतुलन

नीतिवचन 23:4 (HINOVBSI)

धनी होने के लिए अत्यधिक परिश्रम न कर; अपनी समझ के कारण रुक जा।

प्राथमिकताएँ

नीतिवचन 24:27 (HINOVBSI)

अपने बाहर के काम को तैयार कर, और खेत में उसे ठीक कर ले;
उसके बाद अपना घर बना।

सिद्धांत: पहले प्रावधान सुरक्षित करें, फिर स्थायित्व स्थापित करें।

परमेश्वर पर निर्भरता

नीतिवचन 16:3 (HINOVBSI)

अपने कामों को यहोवा पर डाल दे, तब तेरी युक्तियाँ स्थिर होंगी।



नीतिवचन 16:9 (HINOVBSI)

मनुष्य अपने मन में अपनी चाल का विचार करता है,
परन्तु यहोवा उसके पगों को दृढ़ करता है।

कार्यस्थल पर महिलाएँ

नीतिवचन 31:13,16,31 (HINOVBSI)

13 वह ऊन और सन ढूँढ़ती है, और प्रसन्नता से अपने हाथों से काम करती है।

16 वह किसी खेत पर विचार करती है और उसे मोल लेती है; अपने परिश्रम के फल से दाख की बारी लगाती है।

31 उसके हाथों के फल उसे दो, और उसके काम फाटकों में उसकी प्रशंसा करें।

नीतिवचन 31 की सद्गुणी स्त्री परिश्रमी, बुद्धिमान निवेशक और सम्मानित है। उसके परिश्रम का प्रतिफल और प्रतिष्ठा दोनों मिलते हैं।



दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन (भाग-6)

काम पर नीतिवचन

उपदेश नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटा समूह अध्ययन मार्गदर्शिका



लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका



दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन (भाग-6)

काम पर नीतिवचन

रविवार, 03 मार्च 2026 - उपदेश की रूपरेखा

यह लाइफ़ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के उपदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि प्रत्येक व्यक्ति कैसे वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ़ ग्रुप की बैठक सामान्यतः 1.5 से 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ़ ग्रुप में 12-15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ़ ग्रुप लीडर:

लाइफ़ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए आप उपदेश सुन सकते हैं या रविवार के उपदेश नोट्स की समीक्षा कर सकते हैं। कृपया लाइफ़ ग्रुप के दौरान पूरे उपदेश नोट्स पढ़ने के लिए समूह को न कहें। आपको केवल नीचे दिए गए शास्त्र संदर्भों को अलग-अलग व्यक्तियों से पढ़वाना है और फिर दिए गए प्रश्नों के माध्यम से चर्चा, साझा करने और सीखने का समय खोलना है।

ये सभी संसाधन “ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर” मोबाइल ऐप में या हमारी उपदेश वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लाइफ़ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।



स्वागत

लाइफ़ ग्रुप बैठक प्रार्थना, आराधना और किसी रोचक गतिविधि के साथ आरम्भ हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

निम्नलिखित शास्त्र संदर्भ पढ़ें:

नीतिवचन 6:6-11

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

लाइफ़ ग्रुप चर्चा-आधारित और सहभागिता से भरी बैठक होती है, जिसमें हर किसी को अपनी सीख साझा करने का अवसर मिलता है। कृपया इनमें से कुछ बातों पर मिलकर चर्चा करें और लोगों को अपने विचार साझा करने के लिए समय दें। प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करें कि वह समूह चर्चा के दौरान अपनी व्यक्तिगत सीख के नोट्स बनाए।

1, नीतिवचन 6:6-11 में दी गई चींटी से कार्यस्थल के नौ पाठों पर चर्चा करें:

परिश्रम (कड़ी मेहनत)

आत्म-प्रेरणा (पहल)

दूरदृष्टि (भविष्य-केंद्रित सोच)

तैयारी



निरंतरता

समय की समझ

आराम पर अनुशासन

जिम्मेदारी

छोटी बातों में बुद्धिमानी

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर एक या दो मुख्य अंतर्दृष्टियाँ साझा करे और बताए कि वह उन्हें अपनी विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू करेगा/करेगी। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

संगति (FELLOWSHIP): अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपनी चाल से जुड़ी कोई बात, वह शिक्षा जो परमेश्वर उसे सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती साझा करे जिसके लिए वह प्रार्थना चाहता/चाहती है। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें: प्रार्थना और सेवकाई द्वारा

दो या तीन के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से परमेश्वर का धन्यवाद करें और आज जो सीखा गया उसके अनुसार एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के प्रवाह की अपेक्षा करें—चंगाई, चमत्कार, भविष्यवाणी आदि के लिए।



फिर से एकत्र होकर मिलकर प्रार्थना करें:

परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए

कलीसिया के रूप में हम पर और हमारे द्वारा हमारे शहर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष देने के लिए परमेश्वर के पवित्र आत्मा के महान उंडेले जाने के लिए। केवल परमेश्वर के आत्मा का महान कार्य ही हमारे शहर और राष्ट्र को बदल सकता है।

BUILD TO IMPACT परियोजना के लिए—कि जब हम अपने बाइबल कॉलेज और कलीसिया की सुविधाओं की योजना बनाते और निर्माण करते हैं, तो सभी विवरण भली-भाँति पूरे हों, ताकि हम प्रभु और लोगों की सेवा कर सकें।

समापन

मिलकर परमेश्वर का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्त करें।